अल्फाज़ दिल से

ठाकुर गौरव सिंह

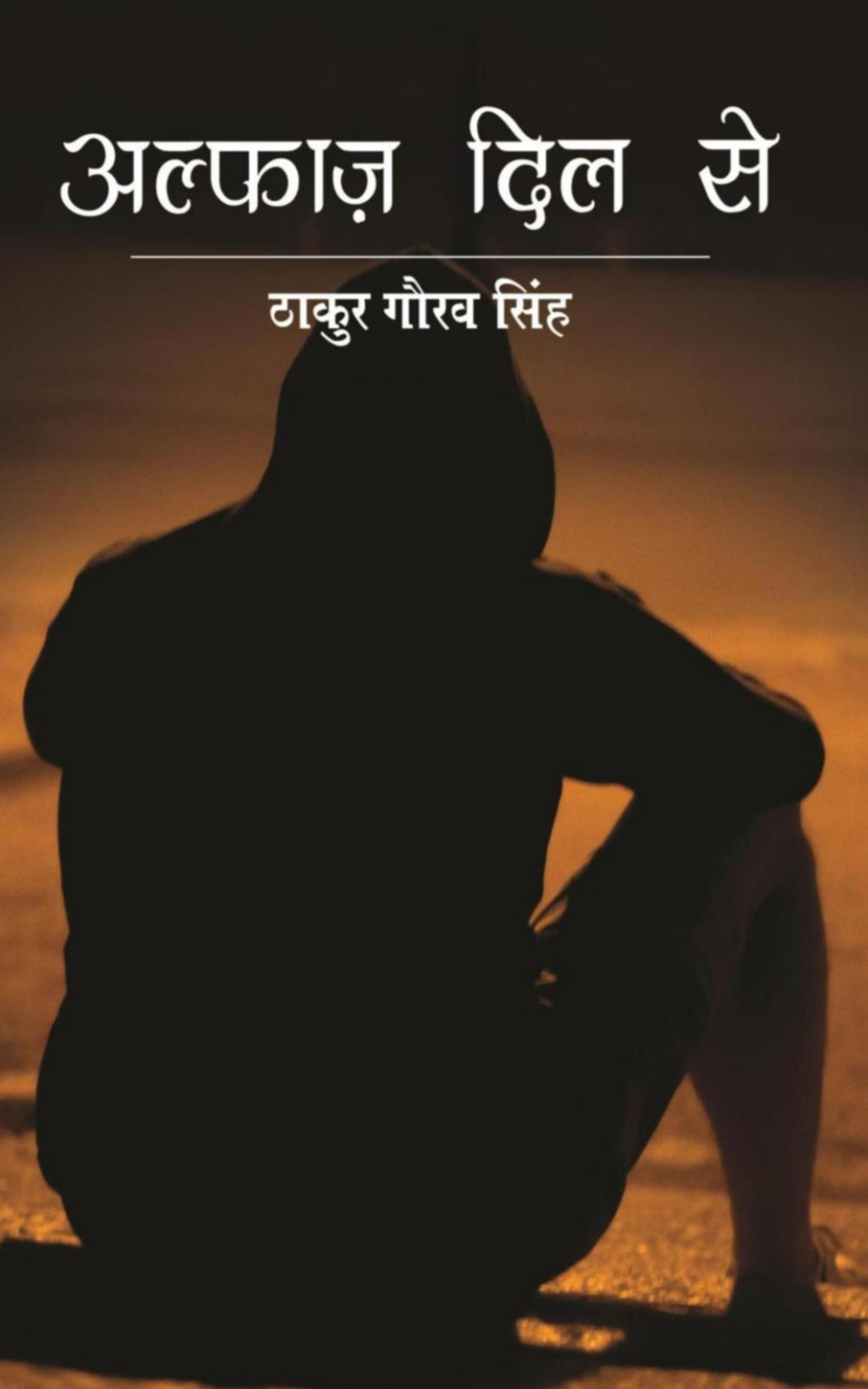

अल्फाज़ दिल से

Publishing-in-support-of,

FSP Media Publications

RZ 94, Sector - 6, Dwarka, New Delhi - 110075
Shubham Vihar, Mangla, Bilaspur, Chhattisgarh - 495001

Website: *www.fspmedia.in*

© Copyright, Author

All rights reserved. No part of this book may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted, in any form by any means, electronic, mechanical, magnetic, optical, chemical, manual, photocopying, recording or otherwise, without the prior written consent of its writer.

ISBN: 978-93-6026-157-3

Price: ₹ 215.00

The opinions/ contents expressed in this book are solely of the author and do not represent the opinions/ standings/ thoughts of Publisher.

Printed in India

अल्फाज़ दिल से

ठाकुर गौरव सिंह

''उस 'भगवान' के लिये जिसने मुझे इस कला से नवाजा..
... और उनके लिये जिन्होनें मुझे जन्म दिया और इस
काबिल बनाया की मैं कुछ कर सकूँ मेरे 'माता–पिता'....''

समर्पण

मैं अगर इनके बारे में लिखना चाहूँ तो शायद शब्द भी कम पड जाये।

मैं मेरी किताब अपनी शिक्षिका 'रोजिना अमोलिक' को समर्पित करता हुँ। जिन्होनें मेरा हमेशा साथ दिया। मेरे बुरे वक़्त में मुझे टूटने नही दिया और अपने प्यार से जोड के रखा। जिस समय मेरे सभी दोस्त और यार मेरे खिलाफ थे उस समय वो मेरे साथ थी। उन्होने मुझे गिर कर उठना सिखाया और अपने जीवन को जीना सिखाया। मेरी हर गलती पर उनहोने मुझे प्यार से समझाया है। उनकी हर डाँट मे मुझे प्यार नजर आया है। मैं उम्मीद करता हूँ की उनका साथ हमेशा मेरा साथ यूँही बना रहे

वो मेरी सबसे अच्छी प्यारी बहन, दोस्त और शिक्षिका है।

शुक्रिया

#रोजिना दी

आभार

मैं अपने सभी साथियों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ।जिन्होंने मुझे प्रेरित किया यही नहीं उन्होंने मुझे मेरे बुरे वक़्त मे और हर मोड़ पे मेरा साथ दिया और सही दिशा दिखाई। 'दीपक शर्मा', 'पार्थ सिंह', 'नीतीश सिंह', 'रवि गुप्ता', 'लालु यादव', 'निहारिका समेल', 'निराली शर्मा', 'झिल पंचाल', 'शालिनी नदार', 'शालिनी 'अर्जरिया', 'सरिता सिंह', 'अनामिका सिंह' और आखिर मैं मेरी प्यारी बेहन 'तानिया मेहता' जिसने हर मोड़ पे मेरा हाथ थामे रखा। मेरी हर कविता को वो दिल से पढती है और मेरी हर गलती को सुधारती है। और अंत मे उस प्यार को धन्यवाद करना चाहता हुँ जिसके इन्तेजार मे मैंने कविता लिखना शुरू किया उसके बिना मेरी जिंदगी और मेरी कविताएँ अधूरी है।

ठाकुर गौरव सिंह

#अल्फाज ❤से

लेखक के बारे में

ठाकुर गौरव सिंह का जन्म 7 जुन 1998 को मुंबई (महाराष्ट्र) में हुआ। इनहोने अपनी शिक्षा सेंट जेवियर्स हाई स्कूल,वापी से पुरी की। वो दिल के बड़े ही अच्छे इंसान है। वो लोगो को हमेशा खुश देखना चाहते है। अपने दिल के जज्बात और अपने सोच को वो अपने शब्दों के जरीऐ जाहिर करते है। उनकी सबसे जायदा रुचि इश्क और प्यार के कविता लिखने में है। इसके अलावा वो माँ–बाप के प्यार, दोस्ती, देश प्रेम और जिंदगी के अनोखे जस्बतो के बारे में कविता लिखते है। गौरव को क्रिकेट खेलना और समाज सेवा करने का बहुत शोक है। वे अपने सामज 'श्री राजपुत करणी सेना' के कार्यकर्ता भी है।

पुस्तक के बारे में

किसी ने खूब कहा है की 'दिल कभी झूठ नही बोलता'। इस किताब में उसी दिल की बातें कैद है।जो इंसान आँसुओं का दर्द समझता है, वो दूसरों को कभी आँसू नहीं दे सकता। 'अल्फाज दिल से' एक कविताओं का संग्रह है। जिसमे प्यार, दोस्ती, दर्द और जीवन के कई उतार–चडाव को पेश किया गया है। 'ठाकुर गौरव सिंह' की लिखी हर कविता लोगो के दिल को छू जाती है। हमे आशा है की आप सभी को 'अल्फाज दिल से' पसंद आयेगी।

अनुक्रम

क्र.	कविता	पृष्ठ क्र.
1.	एक साया बनके साथ रही...	01
2.	दिल मैं हजारो गम है.....	02
3.	खुशी और उदासी....	04
4.	सपने हमने भी देखे थे	06
5.	मेरी प्यारी दोस्त...	08
6.	हंसी	10
7.	माँ–बाप – एक आशीर्वाद	11
8.	सोचता हुँ....	13
9.	खैनी, गुटखा, जर्दा, पान मसाला....	15
10.	पापा कहे...	17
11.	एक दिन चला जाऊंगा मैं	19
12.	तुम्हें क्यों न भूल पाता हूँ ?	20
13.	जिंदगी का सफर..	22
14.	मेरी याद आयेगी तुम्हे.....	24
15.	एक रात	26
16.	मेरा क्या कसूर ?	27
17.	मुस्कुराने की वजह	29
18.	याद है मुझे जब मैं स्कूल को आया	31
19.	आँखों में है मेरी जो थोड़ी सी नमी	33
20.	आँसू	34
21.	एहसास	35
22.	एक गज़ल	36
23.	ओ मेरी जान	38
24.	कहाँ चले गए तुम	39
25.	की मैं शायरी करना सिख गया	40
26.	जब तू काजल लगा के आये	42
27.	तस्वीर	44
28.	तुम	46
29.	परी से प्यार हो गया	48

30.	पहचान	49
31.	प्यार दो	50
32.	फूलो से तेरे चेहरे पे	51
33.	मुझसे दूर	52
34.	मेरा पेहला प्यार	54
35.	मेरी खमोशी	55
36.	मेरे प्यार का इन्तेजार	56
37.	मैं और मेरी तन्हाई	57
38.	याद	59
39.	यूँ याद	60
40.	रातों की चाँदनी	61
41.	रोने दे कुछ पल मुझे	62
42.	वो एहसास है तेरा प्यार	63
43.	सब जगह तू नही	64
44.	आज हम कल हमारी यादें	65
45.	तेरी यादों मैं	66
46.	तुमसे ही प्यार है	67
47.	वो मेरी कुछ भी नही...	69
48.	जिंदगी मेरी खुली किताब हो जैसे...	71
49.	खुशियों से हर दिन महक जाएगा..	72
50.	मुझे पता ना था की	74
51.	आज कुछ वक़्त के लिये पास मेरे	75
52.	जब तू साथ थी तब..	76
53.	काश तुम आ जओ...	78
54.	माँ मेरा एक सपना है	79
55.	पिछला सब कुछ भुला चुका...	80
56.	पर मेरा प्यार ना आया...	81
57.	वो खफा है	82
58.	बड़े बुजुर्ग कहे गये...	83
59.	खुशी	84
60.	हम यूं ही रहेंगे	85
61.	जिसे इन चार सालों मै ना किया...	86
62.	कोई पढ़ता है जब ख्यालों को मेरे...	88

63.	मरना तो सबको एक ना एक दिन पडेगा...	90
64.	धूल जमी डायरी के कुछ पन्ने जो खोले	91
65.	बचपन के सपने	92
66.	दिल से नमन	94
67.	एक आशिक़	97
68.	एक रोज जुदा हो जाऊँगा..	99
69.	सिर्फ तुम्हारे लिए...	101

अल्फाज दिल से

कलम चलती है तो दिल की आवाज लिखता हूँ
गम और जुदाई के अंदाजे बयान लिखता हूँ
रुकते नही है मेरी आंखों से आँसू,
मैं जब भी उसकी याद में अल्फाज लिखता हूँ।।

ठाकुर गौरव सिंह
#अल्फाज दिल से

लेखक से संपर्क हेतु :
gouravr1998@gmail.com

FSP
FSP MEDIA PUBLICATIONS

BOOK AVAILABLE
Flipkart
GET IT ON Google Play
amazon
amazonkindle

EBOOK AVAILABLE
ISBN 978-93-6026-157-3
9 789360 261573